Report on Four-Day Workshop by Career Guidance & Placement Cell

The Department of Economics, Career Guidance & Placement Cell, successfully organized a four-days workshop under the chairmanship of Principal **Dr. Rishipal** and coordination of **Dr. Amandeep Kaur**. The workshop was held as part of a project funded by the **International Economic Association** and led by **Dr. Akanksha (Delhi University)** and **Dr. Bharti (IGIDR)**. The objective was to guide women in economics, address challenges, and promote their overall welfare.

On **Day 1**, **Anjana Tanwar (IAS Officer)** discussed the challenges faced by rural women, highlighting issues of confidence and societal expectations, and emphasized the role of supportive opportunities.
On **Day 2**, **Janica Jain** and **Sandhya Bishnoi** focused on women's financial security and the importance of education, savings, insurance, and investment for inclusive development.
On **Day 3**, **Nikita Sangwan** and **Pragati** explained how women's economic empowerment benefits families, communities, and society. They spoke about government initiatives such as loans and training programs.
On **Day 4**, **Sonakshi Saluja** highlighted various forms of women's empowerment—social, economic, educational, political, and psychological.

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com

Rohtak Kaithal 11.04.2025 - 11 Apr 2025 - Page 4

महिलाओं के लिए करियर मार्गदर्शन कार्यशाला

■ अर्थशास्त्र की अग्रणी महिलाओं के लिए आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढांड

बाबू अनंत राम जनता महाविद्यालय, कौल में कैरियर मार्गदर्शन एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ तथा अर्थशास्त्र विभाग द्वारा चार दिवसीय कार्यशाला विषय अर्थशास्त्र के क्षेत्र में अग्रणी महिलाएं एवं करियर मार्गदर्शन का आयोजन प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल की अध्यक्षता में हुआ। संयोजन डॉ. अमनदीप कौर ने किया। अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संघ द्वारा वित्तपोषित परियोजना के तहत डॉ. आकांक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय और डॉ. भारती आईजीआईडीआर के नेतृत्व में किया गया है। कार्यशाला का उद्देश्य देश में महिलाओं की अर्थशास्त्र के क्षेत्र में करियर मार्गदर्शन,चुनौतियों का समाधान करना और उनके कल्याण को बढ़ावा देना है।कार्यशाला में मेघा सहायक शोधकर्ता के द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया कि किस प्रकार महिलाए अर्थशास्त्र को करियर मार्गदर्शन और आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़कर आगे बढ़ाने से अर्थव्यवस्था को फायदा होता है। इसके लिए,शिक्षा,कौशल विकास और रोजगार के अवसरों में वृद्धि करनी होगी,साथ ही लैंगिक अंतर को कम करना होगा।

ढांड । प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के साथ कार्यशाला मे उपस्थित छात्राएं व अधिकारी

प्रथम दिन अंजना तंवर आईएएस अधिकारी ने यह बताया गया कि आमतौर पर ग्रामीण भारत की महिलाएं चुनौतियों के दो व्यापक स्तरों पर जूझती हैं। पहला,आत्मविश्वास को कमी को लेकर और दूसरे,धारणाओं से लड़ने का दबाव से अच्छे से निपट सकते हैं। जैनिका जैन और संध्या बिश्नोई ने यह बताया गया कि महिलाओं के लिए स्वतंत्र वातावरण बनाने के अलावा वित्तीय सुरक्षा हासिल करने के लिए उन्हें शिक्षित करना भी उतना ही आवश्यक है। समावेशी विकास को लेकर सरकारी सुधारों से अब खाते में न्यूनतम धन रखने की आवश्यकता, बीमा व संपत्ति में निवेश की जानकारी दी।

पंजाब केसरी

FRI,11 APRIL 2025
EDITION: KAITHAL KESARI, PAGE NO. 4

महाविद्यालय कौल में अर्थशास्त्र विभाग ने 4 दिवसीय कार्यशाला का किया आयोजन

कौल, 10 अप्रैल (बलवान): बाबू अनंत राम जनता महाविद्यालय कौल में प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल की अध्यक्षता में कैरियर मार्गदर्शन एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ तथा अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 4 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य विषय अर्थशास्त्र के क्षेत्र में अग्रणी महिलाएं एवं करियर मार्गदर्शन रहा। इस कार्यशाला का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संघ द्वारा वित्तपोषित परियोजना के तहत डॉ. आकांक्षा (दिल्ली विश्वविद्यालय) और डॉ. भारती (आईजीआईडीआर) के नेतृत्व में किया गया हैं।

कार्यशाला में भाग लेते हुए छात्राएं।

प्राचार्य ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य देश में महिलाओं की अर्थशास्त्र के क्षेत्र में करियर मार्गदर्शन, चुनौतियों का समाधान करना और उनके कल्याण को बढ़ावा देना है। मेघा सहायक शोधकर्ता के द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया कि किस प्रकार महिलाए अर्थशास्त्र को करियर मार्गदर्शन और आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़कर आगे बढ़ाने से अर्थव्यवस्था को फायदा होता है। इसके लिए शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों में वृद्धि करनी होगी। उन्होंने कहा कि साथ ही लैंगिक अंतर को कम करना होगा।

अंजना तंवर(आई.ए.एस.) ने बताया गया कि आमतौर पर ग्रामीण भारत की महिलाएं चुनौतियों के 2 व्यापक स्तरों पर जूझती हैं। पहला आत्मविश्वास की कमी को लेकर और दूसरे धारणाओं से लड़ने का दबाव, लेकिन जीविकोपार्जन के अवसर प्रदान करने वाली योजनाओं के जरिये इन दबावों से अच्छी तरह निपटा जा सकता है।